अध्याय 6

# सल्तनत व मुगलकाल में मध्यप्रदेश

## सल्तनत

परमारों के बाद मालवा खिलजी साम्राज्य का अंग बना। इसके बाद यह तुगलक सुल्तानों के साम्राज्य का एक प्रदेश बना रहा। मालवा की राजधानी हर शासक के काल में बदलती रही। नवाबों ने मांडू को अपनी राजधानी बनाया।

अलाउद्दीन खिलजी के शासनकाल में सन् 1305 में मालवा खिलजी साम्राज्य का अंग बना लिया गया। 14वीं शताब्दी के अंत तक मालवा पहले खिलजी और तत्पश्चात् तुगलक सुल्तानों के साम्राज्य का एक सूबा बना रहा। तैमूर के आक्रमण से उत्पन्न गड़बड़ी की स्थिति में दिल्ली के सुल्तान का साम्राज्य छिन्न-भिन्न हो गया। इसका लाभ उठाकर मालवा के तत्कालिक गवर्नर, दिलावर खाँ गौरी ने सन् 1401 में स्वतंत्रता घोषित कर दी। दिलावर खाँ का पुत्र अल्प खाँ, जिसने होशंगशाह की उपाधि धारण की, अत्यंत प्रतापी हुआ। कहते हैं होशंगशाह ने ही होशंगशाह मकबरे की नींव रखी। होशंगशाह का संगमरमर का मकबरा जो कि मांडू में स्थापित है, अत्यंत भव्य और दर्शनीय है।

होशंगशाह का मकबरा

सन् 1436 में मालवा का राज्य महमूद खाँ खिलजी ने हथिया लिया और खिलजी वंश के शासक वहाँ राज्य करते रहे।

1535 में गुजरात के बहादुर शाह ने मांडू पर अधिकार जमाया। इस तरह मालवा की स्वतंत्रता लुप्त हो गई। मांडू पर खिलजी द्वितीय का भी शासन रहा। बहादुर शाह ने मांडू से खिलजी राजवंश का अंत किया। मालवा के गोरी और खिलजी सुल्तानों के समय मांडू एक वैभवपूर्ण नगर रहा। इसके विशाल किले के भीतर बनी इमारतों के ध्वंसाशेष आज भी इसकी वैभव गाथा सुनाते हैं।

## मुगलों का आगमन

इबाहिम लोदी को हराने के बाद बाबर ने मुगल बादशाह के रूप में मध्यप्रदेश के ग्वालियर, चंदेरी और रायसेन पर अपना कब्जा जमाया। हूमायूं ने मंदसौर को अपने अधिकार में लिया उसके बाद उज्जैन, धार और माण्डू को अपने राज्य में मिलाया। मालवा पर शेरशाह और फिर अकबर का राज रहा। मालवा में मुगल सम्राटों ने कई ऐतिहासिक इमारतें बनवाई विशेषकर माण्डू पर ज्यादा ध्यान दिया।

## राजगोंड़ वंश

मुगल काल में मध्यप्रदेश में राजगोंड वंश काफी प्रभावशाली रहा। इसकी राजधानी गढ़ा में थी। गढ़ा, जबलपुर से 4 मील की दूरी पर स्थित एक अलग बस्ती थी, (वर्तमान में यह एक मुहल्ला मात्र रहा गया है) उसकी राजधानी पहले चौरागढ़ और फिर मंडला में रही। इस वंश का सबसे प्रतापी राजा संग्राम शाह था। संग्रामशाह ने अपने पराक्रम से 52 गढ़ी अथवा जिलों पर अधिकार कर लिया। सागर, दमोह, जबलपुर, भोपाल, नर्मदा की घाटी और सतपुड़ा की उच्च समभूमि के कुछ भाग उसके राज्य में शामिल थे। संग्राम शाह को गोंड़ साम्राज्य का शिल्पी कहा जाता है। नरसिंहपुर का चौरागढ़ का किला उसी ने निर्मित करवाया था।

सन् 1541 में संग्रामशाह की मृत्यु हो गई। तत्पश्चात् उसका पुत्र दलपत शाह गद्दी पर बैठा। उसने केवल 7 वर्ष ही राज्य किया। उसकी मृत्यु के उपरांत दलपतशाह की पत्नी, चंदेल वंशीय, वीरांगना दुर्गावती ने 16 वर्ष तक गोंड़वाने का शासन कुशलता से चलाया। गढ़ा राज्य की समृद्धि की चर्चा ने मुगलों को ललचाया। सन् 1564 में अकबर ने आसफ खाँ को गोंड़वाने पर आक्रमण करने की आज्ञा दी। रानी दुर्गावती ने मातृभूमि की रक्षा के लिए लड़ते हुए अकबर को कड़ी चुनौती देते हुए वीर गति को प्राप्त हुईं। तत्पश्चात् गोंड़वाना मुगल साम्राज्य का अंग बन गया।

गोंड़ वंश के राजाओं ने खेड़ला (बैतूल जिला) और देवगढ़. (छिंदवाड़ा जिला) में भी स्वतंत्र राज्य स्थापित किए थे। खेड़ला राज्य का संस्थापक जैतपाल था। दो शताब्दियों तक, 12वीं से 14वीं सदी तक खेरला में गोड़ों का शासन रहा। अकबर ने असीरगढ़ के किले पर अधिकार कर निमाड़ और खानदेश पर भी कब्जा जमाया।

बुंदेलखण्ड के राजाओं ने मुगलों के सामने घुटने टेकने के बजाय विद्रोह का बिगुल फूँका और संघर्ष जारी रखा। महाराजा छत्रसाल ने मुगलों के खिलाफ लगभग पच्चीस वर्षों तक संघर्ष किया। उन्होंने इस क्षेत्र में स्वतंत्र राज्य की स्थापना की। महाराज छत्रसाल अपनी संघर्षशीलता और जुझारू तेवरों के लिए आज भी जाने जाते हैं।

मुगलकाल में बुरहानपुर अत्यंत महत्वपूर्ण केन्द्र रहा। बुरहानपुर दक्षिणी प्रदेशों की राजधानी भी रहा। अकबर, जहाँगीर, शाहजहाँ और औरंगजेब समय-समय पर बुरहानपुर आकर रहे। मुमताज महल की मृत्यु बुरहानपुर में हुई। शाहजहाँ दक्षिण के सूबेदार के रूप में वहाँ निवास करता था। मुगल काल में छत्तीसगढ़ के अतिरिक्त समस्त मध्यप्रदेश मुगलों के अधिकार में था।

असीरगढ़ का किला

## अभ्यास प्रश्न

**प्रश्न-1 रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए-**

प्रश्न-1 नवाबों ने ..... को अपनी राजधानी बनाया।

प्रश्न-2 .....को गोंड़ साम्राज्य का शिल्पी कहा जाता है।

**प्रश्न-2 लघुत्तरीय प्रश्न-**

प्रश्न-1 मालवा खिलजी शासन काल का अंग कब बना?

प्रश्न-2 माण्डू कब वैभवशाली नगर रहा?

प्रश्न-3 मुगल शासकों का विद्रोह मध्यप्रदेश में मुख्य रूप से किसके द्वारा व किन क्षेत्रों में किया गया?

प्रश्न-4 रानी दुर्गावती व महाराजा छत्रसाल क्यों अविस्मरणीय हैं?

प्रश्न-5 बुरहानपुर किस प्रकार मुगल काल में एक महत्वपूर्ण नगर रहा है?